ISSN No. 2583-3316

केले के फूलों का संभावित चिकित्सीय मूल्य

शिखा जैन[1]* एवं भार्गव किरण[2]

[1]फल और बागवानी विभाग, भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

[2]सब्जी विज्ञान प्रभाग, भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

पत्राचारकर्ता : jain64235@gmail.com

परिचय

केले की मूसा प्रजाति प्रसिद्ध पौधों में से एक है, जो मुसेसी परिवार के अंतर्गत आता है। इसका उपयोग विभिन्न बीमारियों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के इलाज के लिए एक पारंपरिक दवा के रूप में किया जाता था। केले के पौधों में सक्रिय तत्व होते हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लाभों में शामिल हो सकते हैं। इन पौधों में फ्लेवोनोइड, टैनिन और फेनोलिक यौगिक मौजूद होते हैं। इन यौगिकों को एंटीऑक्सिडेंट, रोगाणुरोधी, एंटीवायरस और एंटीकैंसर जैसी विभिन्न जैव-सक्रियताओं के लिए जाना जाता था। पौधों पर आधारित उत्पादों को देने के लिए उद्योगों में वनस्पति दवाओं, आहार पूरक और कार्यात्मक खाद्य पदार्थों के रूप में की जा रही है। स्वास्थ्य समस्याओं को भी दूर करती है। हाल ही में, वैज्ञानिक मुख्य रूप से बायोएक्टिव सेकेंडरी मेटाबोलाइट्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं ताकि नई औषधीय और व्यावसायिक रूप से पौधों की दवाओं की खोज की जा सके। केले का पौधा सबसे बड़ा शाकाहारी फूल वाला पौधा है और मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगता है। व्यावसायिक परिस्थितियों में केले का एक गुच्छा इकट्ठा करने के बाद, बड़ी संख्या में केले के फूलों का उत्पादन किया जाता है। केले के पौधे के फूल बड़े, नुकीले और अक्सर लाल रंग के होते हैं और कुछ किस्में पीले और अन्य गुलाबी रंग की होती हैं।

केले के पौधे में नर और मादा दोनों फूल मौजूद होते हैं लेकिन पौधे से अलग-अलग निकलते हैं। मादा फूल सबसे पहले निकलते हैं जो बाद में फल में विकसित होते हैं। पहले 5-15 बेसल नोड मादा फूल पैदा करते हैं और ऊपरी डिजिटल नोड नर फूल पैदा करते हैं। फसल उत्पादन के दौरान, केले के नर फूल अपशिष्ट पदार्थ होते हैं, जिनमें कम आर्थिक मूल्य होता है लेकिन इसे मूल्य वर्धित उत्पाद के रूप में अचार में बदला जा सकता है। मुख्य रूप से फलों और पौधों के अन्य भागों के लिए उगाए जाने वाले केले का उपयोग भोजन, पैकेजिंग और अन्य उद्देश्यों के लिए किया जाता है। श्रीलंका, इंडोनेशिया, थाईलैंड, भारत और म्यांमार में लोग केले के फूल का सेवन खाद्य पदार्थ के रूप में करते हैं क्योंकि इसमें जबरदस्त पोषण मूल्य होता है।

विशेष रूप से, भारत और म्यांमार में केले के फूल को करी के रूप में लिया जाता है और साथ ही चावल और गेहूँ या अचार के साथ डीप फ्राई किया जाता है। भारत और श्रीलंका में, केले के फूल को विभिन्न खाद्य उत्पादों जैसे निर्जलित सब्जी, अचार और डिब्बाबंद भोजन में परिवर्तित किया जाता है। विश्व एथनोमेडिसिनल सर्वे के अनुसार मूसा प्रजाति (केले) के फूल कई बीमारियों का इलाज करने में किया जाता है। परंपरागत रूप से, केले का फूल मेनोरेजिया, पेचिश, मधुमेह मेलिटस को कम करने के लिए उपयोग किया जाता है। फूलों के अर्क में मधुमेह मेलिटस और एनीमिया और मलेरिया जैसी बीमारियों से लड़ने के लिए औषधीय गुण होते हैं। अब, केले के फूल अनुसंधान मुख्य रूप से भारी पोषण मूल्य और स्वस्थ लाभों के कारण कृषि उप-उत्पादों के उपयोग पर केंद्रित है।

ISSN No. 2583-3316

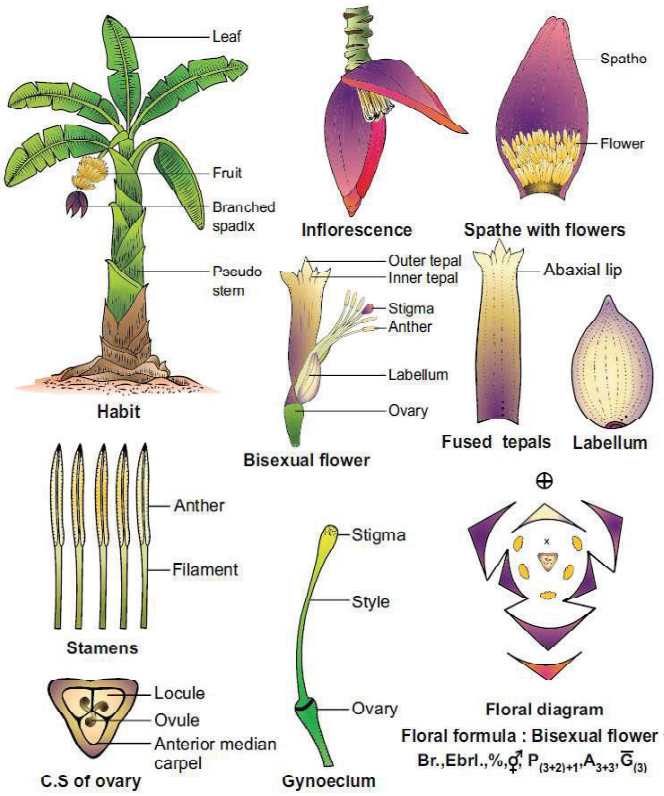

केले के फूल

चिकित्सीय कार्य

एंटी-ऑक्सीडेंट कार्य : मुक्त कणों को समाप्त करके उच्च एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि को बढ़ाता है।

नेत्र दृष्टि कार्य : एंथोसायनिन आँखों में रक्त के प्रवाह को बढ़ाकर और ओपन-एंगल ग्लूकोमा को बढ़ने से रोककर आँखों की रोशनी में सुधार करता है।

मस्तिष्क स्वास्थ्य कार्य : एंथोसायनिन स्मृति प्रदर्शन में सुधार करते हैं और न्यूरो-सूजन को रोकते हैं।

मोटापा-रोधी कार्य : एंथोसायनिन का वसा कोशिकाओं के कार्य में सुधार करके एक मजबूत मोटापा-विरोधी प्रभाव होता है।

मधुमेह विरोधी कार्य : चूँकि केले के फूल में ऐथोसायनिन पाया जाता है जो मोटापे को नियन्त्रित करने की क्षमता रखता है। जिस कारण टाइप 2 मधुमेह से यह बचाव करता हे।

जीवाणुरोधी कार्य : चूँकि एंथोसायनिन एक प्रकार का फ्लेवोनोइड है, इसलिए उनमें जीवाणुरोधी गतिविधि होती है।

एंटी-एथेरोस्क्लोरोटिक कार्य : एंथोसायनिन में सीरम एंटीऑक्सिडेंट गतिविधि (जैसे पेलार्गोनिडिन-3-ग्लूकोसाइड, साइ-3-ग्लू और डेल्फ़िनिडिन-3-ग्लू) के माध्यम से एलडीएल ऑक्सीकरण को रोकने की उत्कृष्ट क्षमता होती है।

एंटी-कार्सिनोजेनिक कार्य : एंथोसायनिन में पेट, आंतों और बृहदान्त्र के घातक ट्यूमर के खिलाफ एक उच्च एंटीकार्सिनोजेनिक गतिविधि होती है।

निष्कर्ष

केले की कली महत्वपूर्ण खाद्य भाग में से एक है क्योंकि इसमें खनिज तत्व, अमीनो एसिड, प्रोटीन, असंतृप्त फैटी एसिड, आहार फाइबर आदि होते हैं। यह मधुमेह हृदय सेरेब्रोवास्कुलर रोग को रोकने, सूजन को कम करने और खुजली को रोकने के लिए भी उपयोगी है। इसमें केले की कली के खाद्य और चिकित्सा मूल्यों को पूरी तरह से विकसित और उपयोग करने और एक नई विशेष और स्वस्थ सब्जी किस्म का पता लगाने के लिए महत्वपूर्ण महत्व है। केला रोपण के अतिरिक्त आर्थिक लाभ के रूप में, यह केला उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा, उत्पादन श्रृंखला का विस्तार करेगा और किसानों के लिए अपनी आय बढ़ाने के नए अवसर खोलेगा।

❖❖